पेंटर और चिड़िया
मैक्स

पेंटर और चिड़िया

एक बार एक पेंटर था. अधिकांश चित्रकारों की तरह, वो भी बहुत गरीब था. अपने जीवनकाल में उसने कई खूबसूरत चित्र बनाए थे. वैसे उसे अपने सभी चित्र पसंद थे. लेकिन उनमें से एक उसे सबसे ज़्यादा पसंद था. वो एक विचित्र और अद्भुत पक्षी का चित्र था.

एक दिन एक अमीर आदमी चित्रकार की तस्वीरों को देखने आया. उसने बहुत देर तक सभी चित्रों को देखा. उसे एक तस्वीर सबसे अच्छी लगी. वो वही अद्भुत पक्षी वाली ही पेंटिंग थी. बेशक, गरीब चित्रकार उस पेंटिंग को बेचना नहीं चाहता था. लेकिन अमीर आदमी ने पेंटर को बहुत ज्यादा पैसे ऑफर किए. अंत में, गरीब चित्रकार मना नहीं कर पाया. अमीर आदमी ने पेंटिंग का भुगतान किया और उसे अपने साथ ले गया.
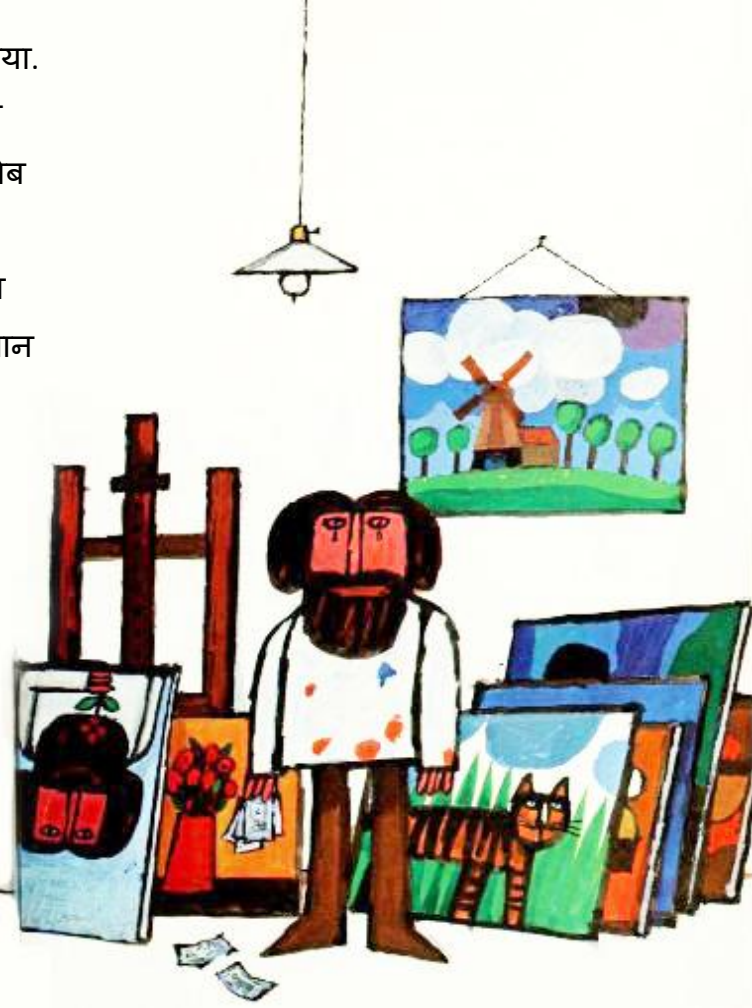
अमीर आदमी अपनी बड़ी लाल कार में उस तस्वीर को कहीं दूर ले गया. शहर से दूर उसका एक सुंदर घर था. उसने चित्र को घर के एक बेहतरीन कमरे की दीवार पर लटकाया. यहाँ से अमीर आदमी हमेशा उस तस्वीर को देखकर उसका आनंद ले सकता था.

लेकिन वो अजीब और अद्भुत पक्षी वहां बिल्कुल खुश नहीं था. उसे उस चित्रकार की बहुत याद सताती थी जिसने उसे पेन्ट किया था. इसलिए, बोर होकर एक दिन, चित्र-पक्षी वहां से उड़ चला!
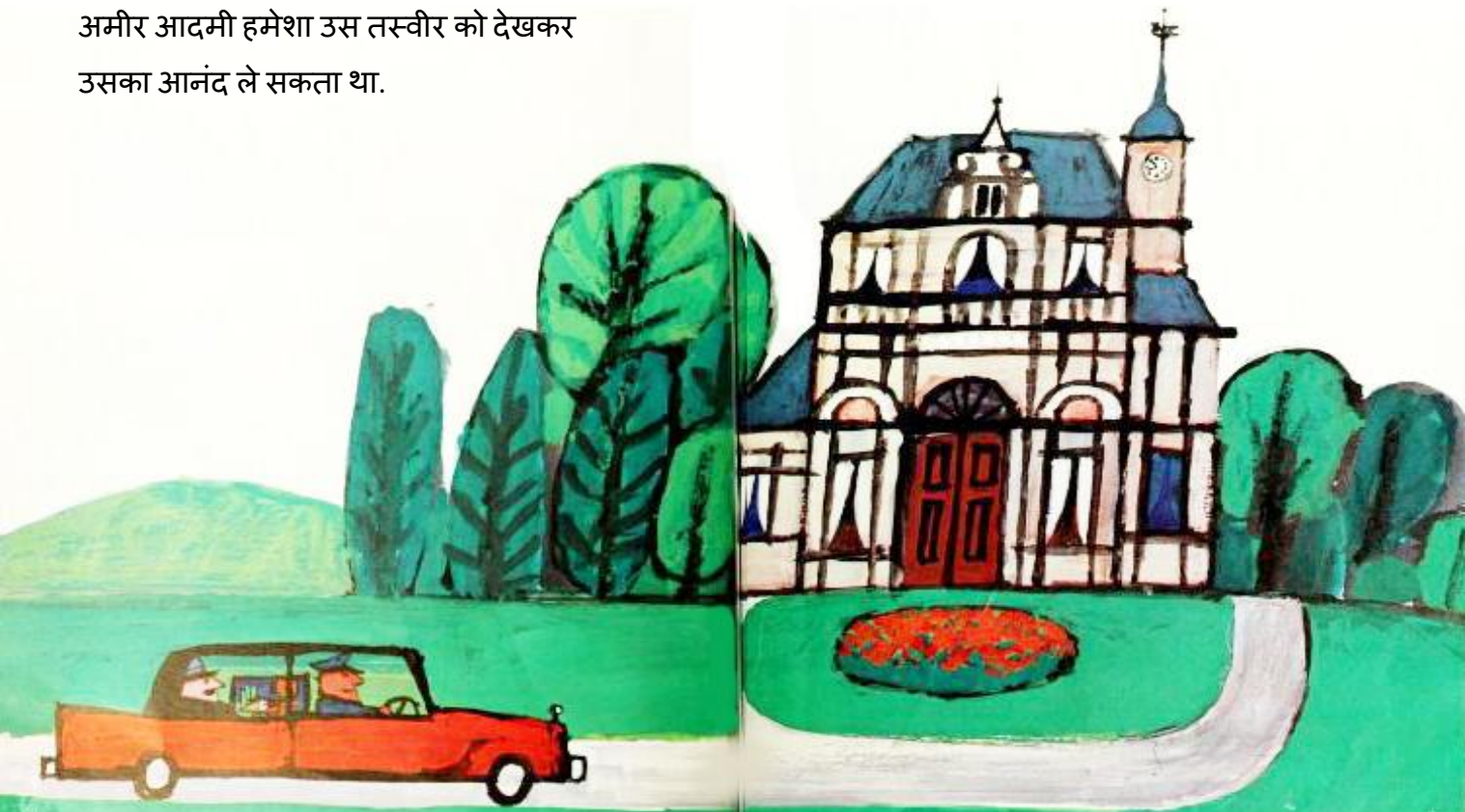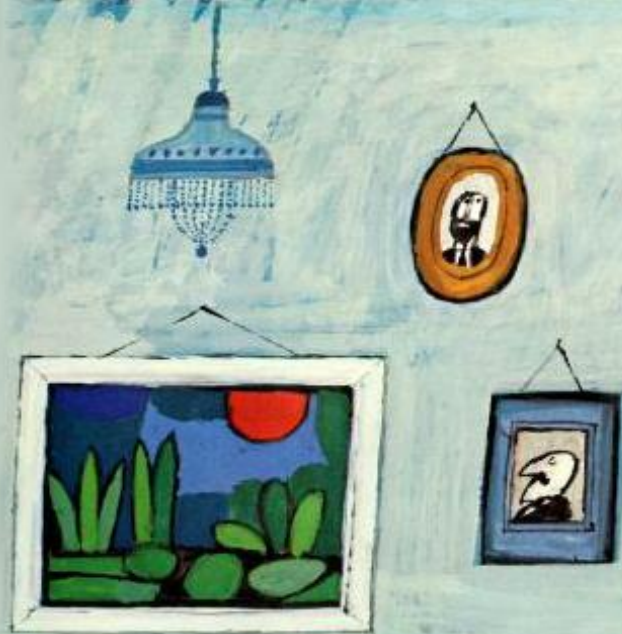
चित्र-पक्षी अमीर आदमी की खिड़की के बाहर फूलों और खेतों के ऊपर से उड़ा. वहां खेत में एक सुंदर मुर्गा रहता था. "कृपया," चित्र-पक्षी ने कहा, "क्या तुम मुझे उस चित्रकार का पता बता सकते हो, जिसने मुझे बनाया था? वह एक बहुत दयालु आदमी है और उसकी एक लम्बी दाढ़ी है."
"माफ़ करो, मैं तुम्हारी मदद नहीं कर सकता. मुझे उसके बारे में कुछ नहीं पता. मैं इस खेत को छोड़कर कहीं और नहीं जाता हूँ. तुम जाओ और जंगल में पक्षियों से पूछो. वे हर जगह उड़ते हैं. शायद वे तुम्हारी मदद कर सकें."

लेकिन जंगल के पक्षी, चित्र-पक्षी पर हँसे.

"तुम सचमुच में अजीब दिखने वाले पक्षी हो," उन्होंने कहा. तुम चिड़ियाघर में जाओ जहाँ अनेकों अजीब दिखने वाले जानवर रहते हैं. चिड़ियाघर में एक जानवर है जिसकी एक लम्बी दाढ़ी है. शायद वही हो जिसे तुम ढूंढ रहे हो.”

फिर चिडियाघर को खोजने के लिए चित्र-पक्षी ने उड़ान भरी. जल्द ही पक्षी एक बड़े जानवर के पिंजरे के पास पहुंचा. उस जानवर की बड़ी दाढ़ी थी. लेकिन वो एक शेर था, चित्रकार नहीं.

"मैं जानवरों का राजा हूँ," शेर ने कहा. "जब तुम मेरे सिर पर बैठोगे तो तुम मेरे मुकुट की तरह दिखोगे. कुछ समय के लिए तुम यहीं क्यों नहीं रहते? शायद तुम्हारा चित्रकार मेरी तस्वीर खींचने आए? मुकुट के साथ शेर की तस्वीर अधिक सुंदर दिखेगी.”
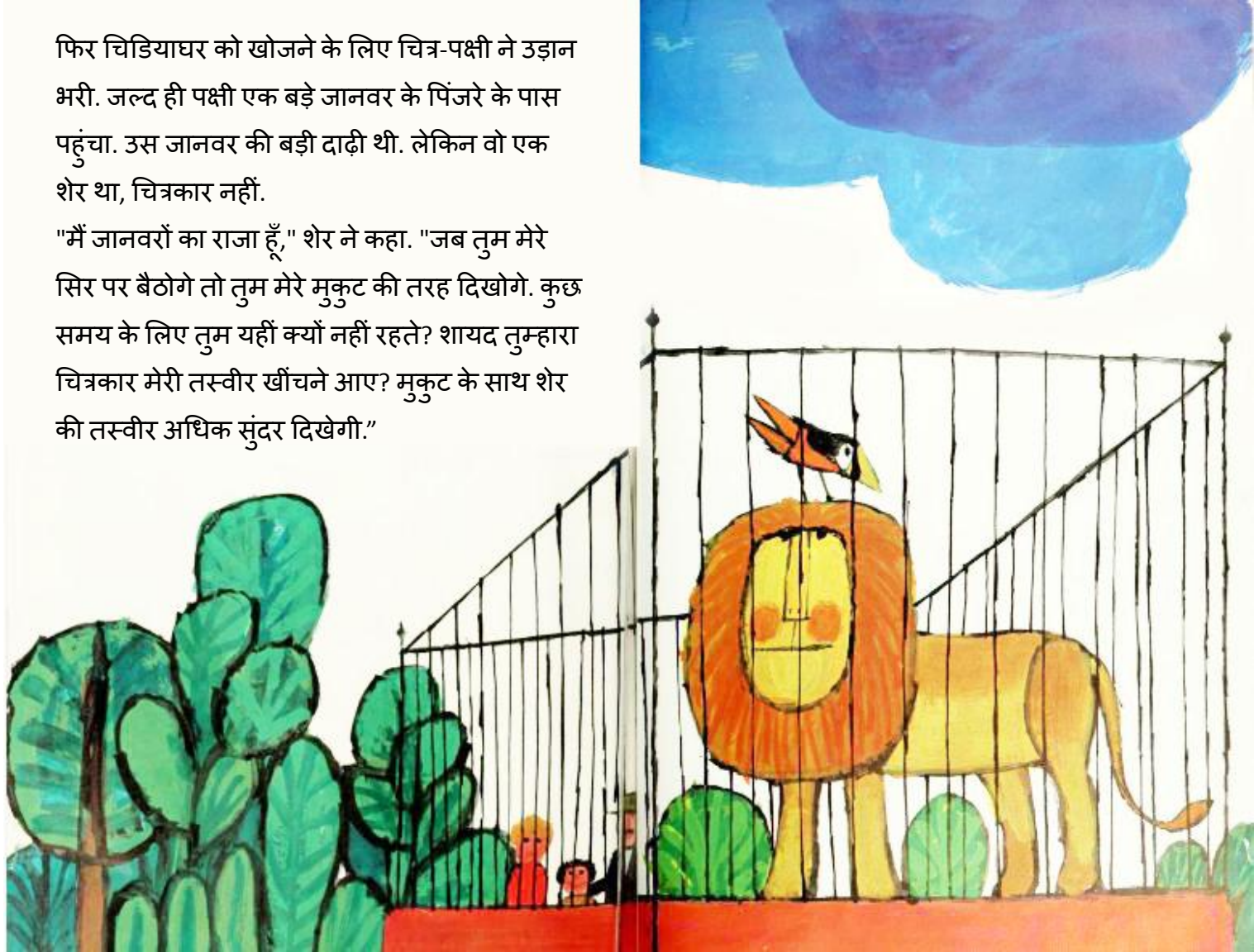
फिर चित्र-पक्षी, कुछ समय के लिए वहीं चिड़ियाघर में रुक गया. और फिर वहां दूर-दूर से लोग आए. वे जानवरों का राजा शेर के सिर पर एक अजीब और अद्भुत पक्षी को बैठे देखने के लिए आये. लेकिन अफ़सोस, चित्रकार नहीं आया.
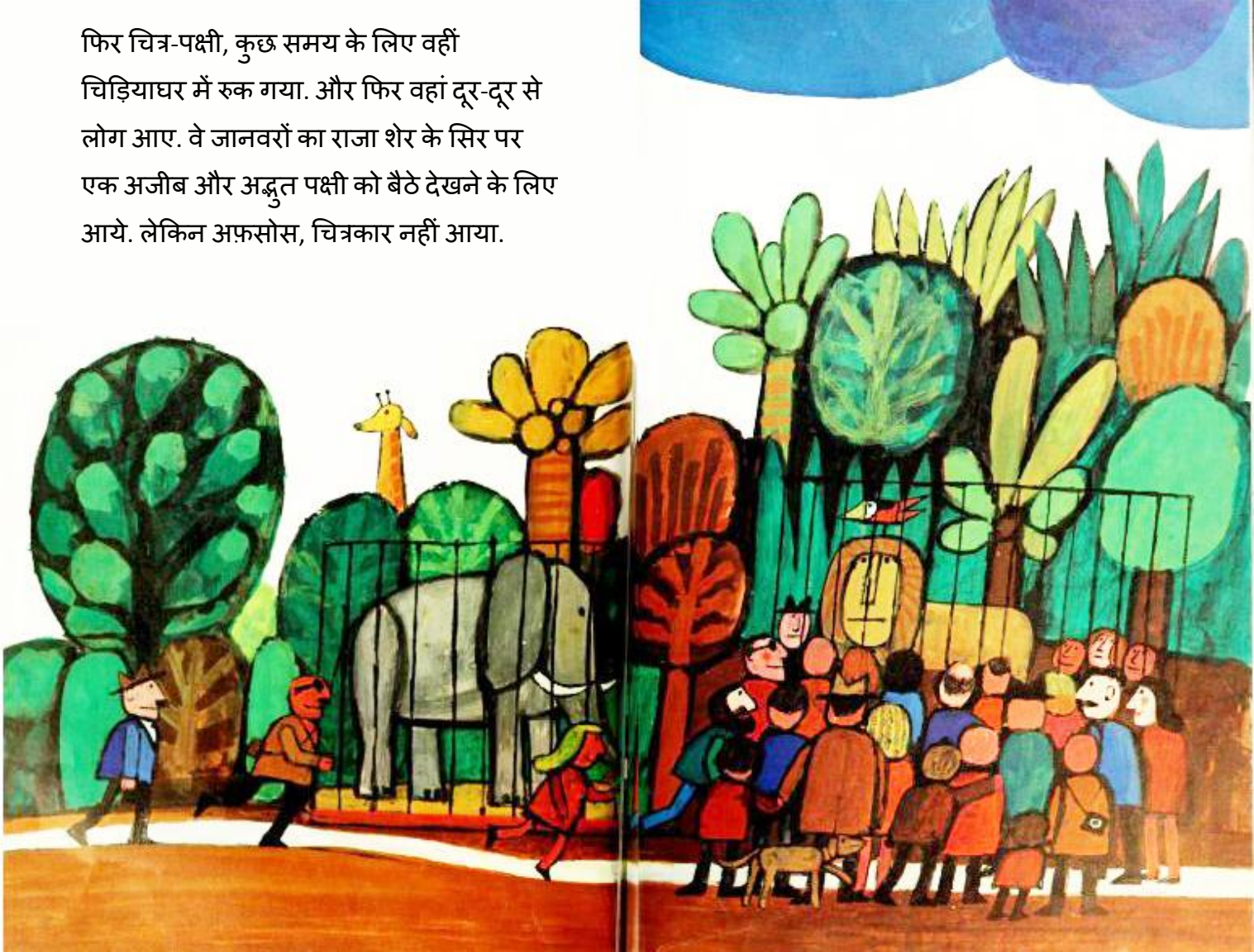
चिड़ियाघर के निदेशक ने अपनी खिड़की से बाहर देखा. उसने शेर के सिर पर एक विचित्र और अद्भुत पक्षी को बैठे हुए देखा. "बहुत ही दिलचस्प," चिड़ियाघर के निदेशक ने कहा. "मैंने पहले कभी भी ऐसा पक्षी नहीं देखा है. मैं उसका अध्ययन करूंगा. मैं उस अजीब पक्षी का नाम, अपने नाम पर रखूंगा, और फिर मैं पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो जाऊंगा." चिड़ियाघर का निदेशक, चित्र-पक्षी को अपने ऑफिस में ले गया. लेकिन फिर वो पक्षियों की किताबें पढ़ने में इतना मगन हो गया कि वो चित्र-पक्षी को बिलकुल भूल गया. उसके बाद वो बेचारा चित्र पक्षी वहां से दुबारा फिर उड़ा.

उदास चित्र-पक्षी, उड़ता गया और उड़ता गया.
अब उसकी आंखों से गम के आंसू बह रहे थे.
फिर उसने आसमान में कुछ उड़ते हुआ देखा.
"वो एक बड़े सफेद पक्षी की तरह दिखता है," चित्र-पक्षी ने सोचा. "शायद वो मेरी कुछ मदद कर पाये!"
पर वो बड़ा सफेद पक्षी बहुत तेजी से उड़ गया. वो जल्द ही बादलों में गायब हो गया.

आखिर में चित्र पक्षी एकदम पस्त हो गया. वो बिल्कुल थक गया था. वो अकेला था. उसका कोई घर नहीं था. वो जब अपनी आँखों में एक बड़ा आंसू लिए घास पर खड़ा था, तभी वहां एक लड़का एक बिल्ली एक साथ आया. पक्षी का नसीब अच्छा था कि उसके पास बिल्ली से पहले लड़का आया!

लड़के ने चिड़िया की कहानी सुनी. फिर अचानक लड़के को याद आया कि उसने पक्षी को कहीं देखा था.

"मुझे पता है कि तुम कहाँ के हो!" लड़के ने कहा.

“मुझे पता है तुम्हारा दोस्त चित्रकार कहां रहता है! चलो, मेरे साथ आओ!"

उसी क्षण, चित्रकार के स्टूडियो में वो अमीर आदमी आया. उसके हाथ में वो पेंटिंग थी जो उसने चित्रकार से खरीदी थी. अमीर आदमी बहुत गुस्से में था. वह अपना पैसा वापस चाहता था.

"तुमने मुझे यह पक्षी की तस्वीर बेची थी, लेकिन अब तस्वीर में कोई पक्षी नहीं है!" अमीर आदमी चिल्लाया. पर अब उस गरीब कलाकार के पास न तो पैसे थे, और न ही पक्षी!

जैसे ही अमीर आदमी सामने के दरवाजे से बाहर निकला, वैसे ही लड़का और चित्र-पक्षी पीछे वाले दरवाजे से अंदर घुसे. कलाकार उन्हें देखकर बहुत खुश हुआ. उसने लड़के को गले लगाया.

चित्रकार ने मुस्कुराते हुए चित्र पक्षी से कहा, "तुम्हारा स्वागत है!" चित्र-पक्षी बेहद खुश था. वो चित्र में वापस अपनी जगह पर जाकर बैठ गया.

उसके बाद से चित्रकार ने कभी भी उस अजीब और अद्भुत चित्र-पक्षी की पेंटिंग को नहीं बेचने का वादा किया.
पक्षी ने भी कसम खाई कि वो फिर कभी भी नहीं उड़ेगा.
पक्षी ने कहा, "मैं अपने पंखों को फैलाने के लिए और आपकी पेंटिंग्स को देखने के लिए कभी-कभी थोड़ा उड़ूँगा, ज़्यादा नहीं."
और उसके बाद दोनों दोस्त जीवन भर साथ-साथ रहे.

समाप्त